माध्यमिक अंग्रेज़ी

TESS India

आनन्द के लिए पठन को प्रोत्साहित करना

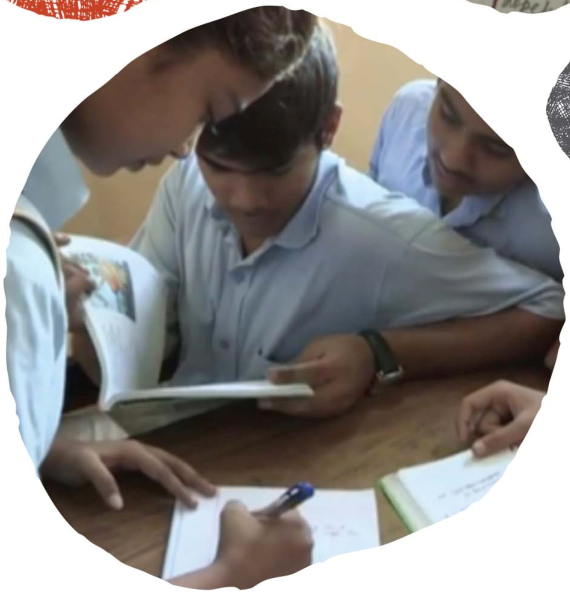

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

CC BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

TESS-India (स्कूल–आधारित अनुसमर्थन के द्वारा अध्यापक शिक्षा) का उद्देश्य छात्र–केंद्रित, सहभागी संकल्पना के विकास के लिए शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OERs) के माध्यम से भारत में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षकों की शिक्षण पद्धति में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने छात्रों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त–अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in/)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।
TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है: *. यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।*

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट (http:/www.tess-india.edu.in/) पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण 2.0   SE12v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

छात्रों को पढ़ने का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करना उनके लिए लाभदायक होता है क्योंकि वह उनकी कल्पना और जिज्ञासा को प्रेरित और उत्तेजित कर सकता है। अंग्रेजी में साहित्य का खजाना उपलब्ध है और अंग्रेजी में पढ़ सकने की क्षमता आपके छात्रों को इसका लाभ उठाने में समर्थ बनाती है। अंग्रेजी में पठन आपके छात्रों में नए कौशल और विचार जगा सकता है, और उन्हें दुनिया तथा विभिन्न संस्कृतियों के बारे में और अधिक सिखा सकता है।

जब छात्र अंग्रेजी में पढ़ते हैं, तो वे कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किए जा रहे शब्दों और व्याकरणात्मक संरचनाओं के उदाहरण देखते हैं। इससे उन्हें स्वयं अपनी शब्दावली और व्याकरण के उपयोग को सुधारने में मदद मिलती है। छात्र जितना अधिक पढ़ते हैं, किसी भी भाषा में पढ़ने में वे उतने ही बेहतर होते जाते हैं: 'reading is a transferable skill. Improving it in one language improves it in others' (National Curriculum Framework, 2005, p. 39)। तथापि, कई छात्रों को अंग्रेजी में पढ़ने में आनंद नहीं आता है, और वे पाठ्यपुस्तकों या सप्लीमेन्ट्री रीडरों के गद्यांशों के अतिरिक्त अधिक अंग्रेजी नहीं पढ़ते हैं।

यह इकाई वर्णन करती है कि आप ऐसी कक्षा गतिविधियों की परिकल्पना कैसे कर सकते हैं जो छात्रों को सप्लीमेन्ट्री रीडर और अन्य पाठों का उपयोग करते हुए उन्हें अधिक एवं निरंतर अंग्रेजी पढ़ाने के अवसरों का निर्माण करें।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- छात्रों के लिए अंग्रेजी में अधिक लंबे गद्यांश पढ़ने के अवसरों का निर्माण करने के लिए कक्षा में की जाने वाली गतिविधियाँ।
- कक्षा से बाहर अंग्रेज़ी पढ़ने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के तरीके।

1 अंग्रेजी में अधिक लंबे गद्यांश पढ़ने में छात्रों की रुचि को प्रोत्साहित करना

माध्यमिक स्तर के छात्रों से अंग्रेजी में कई लंबे गद्यांश पढ़ने की अपेक्षा की जाती है, उदाहरण के लिए सप्लीमेन्ट्री रीडर में नाटक या गद्यांश। कक्षा 9 और 10 के लिए NCERT पाठ्यपुस्तकों से कुछ नाटक और गद्यांश ये हैं:

- ***The Happy Prince***: यह आइरिश लेखक Oscar Wilde द्वारा लिखी और 1888 में प्रकाशित परी कथा है। कहानी में 'happy prince' सोने की पत्तियों और जवाहरातों से सजी एक मूर्ति है। राजकुमार को एक शहर दिखाई देता है जहाँ कई लोग तकलीफ में हैं। वह एक अबाबील से गरीबों की मदद करने के लिए अपना सोना और जवाहरात ले जाने को कहता है। अबाबील मान जाती है, लेकिन ऐसा करते समय ठंड से मर जाती है। इससे राजकुमार का दिल टूट जाता है। एक फरिश्ता अबाबील और राजकुमार के दिल को ईश्वर से मिलवाने के लिए स्वर्ग में ले जाता है। (यह परी कथा NCERT textbook *Moments: Supplementary Reader in English for Class IX* में उपलब्ध है।)
- ***The Accidental Tourist***: यह समकालीन अमेरिकन लेखक, बिल ब्रायसन द्वारा लिखी गई एक पुस्तक से लिया गया उद्धरण है। लेखक एक यात्री के रूप में अपने अनुभवों का वर्णन करता है। वह उन मजाकिया बातों के बारे में लिखता है जो उसके साथ हवाई जहाजों में हुई थीं, जैसे बगल में बैठे व्यक्ति पर पेय छलका देना, या अपने बैग का सामान गिरा देना। (यह उद्धरण NCERT textbook *Moments: Supplementary Reader in English for Class IX* में उपलब्ध है।)
- ***The Proposal***: यह रूसी लेखक Anton Chekhov द्वारा 1888-9 में लिखा गया एक नाटक है। Ivan Lomov, Stephan Chubukov का एक धनी पड़ोसी, Stephan's की पुत्री, Natalya के साथ विवाह का प्रस्ताव लेकर आता है। मुलाकात में, Ivan और Natalya हर चीज के बारे में झगड़ते हैं और प्रस्ताव के बारे में लगभग भूल जाते हैं। Natalya विवाह के लिए सहमत हो जाती है, और कहा-सुनी जारी रहती है। (नाटक का यह कथानक NCERT textbook *First Flight: Textbook in English for Class X* में उपलब्ध है।)

The Hack Driver: यह अमेरिकन लेखक Sinclair Lewis द्वारा 1923 मे लिखी गई एक लघु कथा है। यह एक युवा वकील के बारे में है जो एक कानूनी मामले में Oliver Lutkins नामक गवाह की तलाश में है। वह एक ड्राइवर को नौकरी पर रखता है और वे सारे कस्बे में Lutkins की तलाश करते हैं, लेकिन उसे खोज नहीं पाते। अंत में, वकील को पता चलता है कि दरअसल जिस आदमी की उसे तलाश है वो Lutkins नामक आदमी उसका ड्राइवर ही है। (यह कहानी NCERT textbook *Footprints without Feet: Supplementary Reader in English for Class X* में उपलब्ध है।)

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके विचार से आपके छात्रों को इन पाठों में दिलचस्पी होगी? क्या वे उनके जीवन में प्रासंगिक हैं? क्या वे उनके सन्दर्भों से परिचित हैं?
- आप इन कहानियों और नाटकों को छात्रों के लिए सार्थक कैसे बना सकते हैं?

कुछ छात्र किसी भी तरह का साहित्यिक पाठ पढ़कर आनंदित होते हैं, लेकिन हो सकता है इनमें से कुछ कहानियाँ और नाटक कुछ छात्रों को शुरू में आकर्षक न लगें। कुछ मामलों में तो छात्रों को शीर्षक (उदाहरण के लिए, The Hack Driver) भी समझ में नहीं आता है, जिसके कारण वे उसे पढ़ने के लिए प्रेरित नहीं हो पाते हैं। ऊपर सूचीबद्ध पाठ छात्रों के जीवन के साथ संबंध कैसे स्थापित करते हैं यह दर्शाने वाली एक तालिका संसाधन 1 में प्रदान की गई है।

यह जानने के लिए कि सप्लीमेन्ट्री रीडर में दिए गए एक नाटक के विषय के साथ अपने छात्रों के अनुभवों को संबंधित करने के लिए एक शिक्षक ने कैसे एक सार्थक गतिविधि का सृजन किया, केस स्टडी 1 पढ़ें।

केस स्टडी 1: कोमल के शिक्षक नाटक पढ़ने के लिए कक्षा 10 को प्रेरित करते है–

कोमल कक्षा 10 की छात्रा है। उसके शिक्षक ने हाल ही में The Proposal, रूसी लेखक, Anton Chekhov द्वारा लिखे गए एक नाटक, The Proposal को पढ़ने के लिए कक्षा को अधिक प्रेरित महसूस होने में मदद की।

हमारी अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक के अंत में एक नाटक था। मुझे कहना पड़ेगा कि मुझे उसमें बहुत अधिक रुचि नहीं थी– वह बहुत लंबा दिख रहा था, और मुझे कुछ पता नहीं था कि वह किस बारे में है। तथापि, कक्षा में हमारे नाटक को पढ़ने से पहले, हमारे शिक्षक ने हमसे उस समय के बारे में सोचने को कहा जब हम पिछली बार किसी विवाह में शामिल हुए थे । मैंने पिछले दिसंबर में हुए अपने चचेरे भाई के विवाह के बारे में सोचा। शिक्षक ने हमसे विवाह के प्रस्ताव आम तौर पर जिन परम्पराओं के अनुसार किए जाते हैं उनके बारे में पूछा। कुछ छात्रों ने उत्तर दिए:

> लड़की का पिता लड़के के परिवार के पास मिठाइयाँ लेकर जाता है और लड़के के पिता से अपने बेटे को उनकी बेटी के साथ विवाह करने की अनुमति देने को कहता है।

> लड़का लड़की से एक पार्क या रेस्टोरैंट में मिलता है और उससे शादी का प्रस्ताव करता है।

> लड़के का परिवार लड़की और उसके परिवार को देखने के लिए लड़की के घर जाता है और निश्चय करता है कि क्या वे लड़की को अपनी बहू बनाना चाहते हैं।

हमारे शिक्षक ने फिर हमसे पूछा कि क्या कभी हमने फिल्मों में विवाह के प्रस्ताव के दृश्य देखे हैं। मुझे कुछ याद नहीं आ रहा था, लेकिन सिक्ता ने अपना हाथ उठाया और एक फिल्म का नाम बताया: विवाह। फुल्की को एक और की याद आई: ये जवानी है दीवानी। जल्दी ही छात्र और नाम लेने लगे थे, और तभी मुझे भी एक नाम याद आया: दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे। वह मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है।

इसके बाद, हमारे शिक्षक ने ब्लैकबोर्ड पर 'The Proposal' शब्द लिखे, और हमसे पूछा कि क्या हमें पता है कि उसका क्या अर्थ है। हमने अपनी पिछली चर्चा के बाद इसका क्या अर्थ था उसका अनुमान लगाया। तब हमारे शिक्षक ने हमें तीन के समूहों में संगठित किया। मेरे समूह में मेरी सहेली दीपा और एक अन्य लड़की, तनुश्री थी। शिक्षक ने हमसे किसी फिल्म के पारंपरिक प्रस्ताव दृश्य की कल्पना करने, और उन लोगों के बारे में सोचने को कहा जो उस दृश्य में होंगे। उन्होंने हमसे किरदारों के लिए नामों का आविष्कार करने, और अंग्रेजी में उनका संक्षिप्त वर्णन करने को कहा। हमने निम्नलिखित लिखा:

> Vinod: The bridegroom. He is a 26-year-old electrical engineer working in a big company in Mumbai.
>
> Raveena: The bride. She is 22 years old and has just finished her graduation in English.
>
> Mr Ashok Nath: Vinod's grandfather, and the head of the family.
>
> Mr Alok Nath: Vinod's father, who is a senior government officer.
>
> Mrs Meera Nath: Vinod's mother, who is a school teacher

फिर उन्होंने हमसे दृश्य के लिए अंग्रेजी में कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा, जैसे कि हम फिल्म का वह भाग लिख रहे हों। दीपा, तनुश्री और मैंने दो किरदारों के लिए एक दृश्य लिखा: the bride’s father, Dr Ramesh Kumar, and the bridegroom’s grandfather, Mr Ashok Nath. अंग्रेजी में उनकी पंक्तियाँ लिखना थोड़ा कठिन था, लेकिन तनुश्री को बहुत अच्छी अंग्रेजी आती थी और उसने हमारी मदद की। हम जन्मपत्री horoscope’ के लिए अंग्रेजी शब्द नहीं जानते थे इसलिए हमने अपने हाथ उठाए और शिक्षक से पूछा, और उन्होंने हमें बताया। हमने जो लिखा वह यह है:

Ramesh Kumar: Namaskar, Ashok Ji! How are you? We heard you have just recovered from viral fever. Are you all right now? You *have* to be – we need your blessings always!

Ashok Nath: Namaskar, Dr Sahab. My blessings – may you live a long life! What brings you to our house?

Ramesh Kumar: As you know, Ashok Ji, our Raveena has completed her graduation, and we would like to find her a groom.

Ashok Nath: Of course! You have a very intelligent daughter – she will get a good boy!

Ramesh Kumar: That is why we are here today. We would like to offer our Raveena as a bride for your grandson Vinod.

Ashok Nath: Hmm … if the boy and the girl are willing, I have no objection! But we will have to match their horoscopes.

जब हम तैयार हो गए, तो हमारे शिक्षक ने दो समूहों से प्रस्ताव करने के कुछ दृश्यों का अभिनय करने को कहा। उन्हें देखना मज़ेदार था। प्रीति ने बूढ़े आदमी Ashok sahib की भूमिका की और उसने मुझे हँसाया!

उसके बाद, शिक्षक ने हमें बताया कि हम *The Proposal* नामक नाटक पढ़ने जा रहे हैं। वह शादी के एक और प्रस्ताव के बारे में था, लेकिन यह कई वर्षों पहले रूस में हुआ था। उन्होंने हमसे पूछा कि हमारे विचार से उस समय विवाह का वह प्रस्ताव कैसा रहा होगा – हमें कुछ पता नहीं था। उन्होंने हमसे अपनी पाठ्यपुस्तक में नाटक को शीघ्रता से देखने, और पता करने को कहा कि कौन से किरदार इसमें शामिल थे। वे तीन थे: एक युवती, उसके पिता और एक आदमी जो युवती से विवाह करना चाहता था। मैं देखना चाहती थी कि क्या उन्होंने ऐसा कुछ कहा था जैसा हमने अपने दृश्य में लिखा था और क्या रूस की वैवाहिक परम्पराएं भारत की परम्पराओं से भिन्न हैं।

विचार के लिए रुकें

कोमला के शिक्षक ने रूसी नाटक के इर्दगिर्द एक प्रेरणादायक गतिविधि का निर्माण कैसे किया?

केस स्टडी 1 में, शिक्षक ने अपने छात्रों से उनके द्वारा फिल्मों में देखे गए वैवाहिक प्रस्तावों के बारे में सोचने, और एक सरल दृश्य को अंग्रेजी में लिखने को कहा। इसने छात्रों को *The Proposal*, पढ़ने और उसमें उन्हें मिलने वाली भाषा के प्रकार के लिए तैयार किया। (छात्रों को पाठ के लिए तैयार करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें इकाई *समझने के लिए पढ़ने में सहायता* करना देखें।) इससे नाटक – जो उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के रूस को दर्शाता है

लेखक या गद्यांश से परिचित न हों। यदि नहीं, तो उसे पढ़ाने से पहले आप से जितना अधिक हो सके उतना पता लगाने का प्रयास करें (उदाहरण के लिए, किसी सहकर्मी से पूछकर या, यदि आपको सुलभ हो तो, इंटरनेट पर जानकारी खोजकर)।

गतिविधि 1: छात्रों को अंग्रेजी में पढ़ने के लिए तैयार करना

ऐसा कोई पाठ चुनें जिसका उपयोग आप अगले सप्ताह कक्षा में करने जा रहे हैं। इस बारे में सोचें कि आप इससे अपने छात्रों को कैसे परिचित कराएंगे।

ये प्रश्न आपकी यह सोचने में मदद करेंगे कि आप पाठ को आपके छात्रों के जीवन के साथ कैसे संबंधित कर सकते हैं:

- गद्यांश को किसने लिखा? क्या छात्र लेखक से परिचित हैं?
- गद्यांश किस बारे में है? क्या वह उन विषयों के बारे में है जिनसे आपके छात्र परिचित हैं? क्या वह किसी अन्य (अपरिचित) स्थान में सेट किया गया है?
- गद्यांश को कब लिखा गया था? क्या उपयोग किए गए विचार, मूल्य और शब्द उनसे भिन्न हैं जो आपके छात्रों को ज्ञात हैं?

अब अपने छात्रों को पाठ से परिचित कराने के लिए एक गतिविधि की योजना बनाएं और पढ़ाएं। आप नाटक, नाटिका या चर्चा का उपयोग कर सकते हैं, या उसे किसी आधुनिक टीवी नाटक या गाने से संबंधित कर सकते हैं। यह काम करने के तरीकों के बारे में अधिक अवधारणाओं के लिए संसाधन 2, ‘नाटिका और नाटक का उपयोग करना’ देखें।

वीडियो: कहानी सुनाना, गाने, नाटिका और नाटक

विचार के लिए रुकें

इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके विचार से आपके छात्र आपकी परिचयात्मक गतिविधि के बाद गद्यांश को पढ़ने के लिएअधिक प्रेरित हुए?
- क्या सभी छात्र भाग ले रहे थे? अगली बार आप क्या परिवर्तन करेंगे?

2 अधिक लंबे पाठ को पढ़ने में दिलचस्पी बनाए रखने में छात्रों की मदद करना

आपके लिए अपने छात्रों को किसी पाठ को पढ़ना शुरू करने के लिए उसे उनके अपने जीवन और अनुभवों से संबंधित करके प्रेरित करना संभव है। हालांकि उस दिलचस्पी को *बनाए रखना* कठिन हो सकता है, खास तौर पर जब पाठ लंबा हो। अंग्रेजी के अधिक लंबे गद्यांशों को पढ़ने में दिलचस्पी बनाए रखने में छात्रों की मदद करने के लिए अन्य शिक्षकों द्वारा सुझाए गए कुछ विचार यहाँ प्रस्तुत हैं।

> मैं गद्यांश को खंडों में बाँटता हूँ और छात्रों से हर खंड के साथ अलग-अलग गतिविधियाँ करवाता हूँ। उदाहरण के लिए, एक पीरियड में मैं छात्रों को समूहो में रखता हूँ और फिर समूह के एक छात्र से एक खंड को अपने साथियों को ऊँची आवाज में सुनाने को कहता हूँ। समूह के अन्य सदस्य सुनते हैं और अपनी किताबों को देखे बिना नोट्स बनाते हैं, और फिर गद्यांश के बारे में उन्होंने जो कुछ समझा है उस पर चर्चा करते हैं। किसी अन्य पीरियड में, मैं छात्रों से गद्यांश के किसी भिन्न खंड को चुपचाप रहकर पढ़ने को कहता हूँ, और फिर बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तरों पर जोड़ियों में चर्चा करने को कहता हूँ। फिर मैं उत्तर बोलकर उनसे लिखवाता हूँ।

> सबसे पहले, मैं गद्यांश को घर पर पढ़ता हूँ और उसे खंडों में बाँटता हूँ। कक्षा में, मैं छात्रों को तीन या चार के छोटे समूहों में संगठित करता हूँ, और प्रत्येक समूह को गद्यांश का अलग खंड आबंटित करता हूँ। फिर मैं प्रत्येक समूह से खंड को पढ़ने, और जो कुछ उन्होंने पढ़ा है उसका सारांश लिखने को कहता हूँ। जब वे काम समाप्त कर लेते हैं, तब मैं गद्यांश का पहला खंड पढ़ने वाले समूह से सारी कक्षा को अपना सारांश पढ़कर सुनाने को कहता हूँ। फिर मैं दूसरे समूह से, और फिर अगले वाले से कहता जाता हूँ। इसका मतलब यह है कि सारी कक्षा सारे गद्यांश में जो कुछ होता है उसे सुनती है। साथ ही, इससे समय बचता है।

गद्यांशों को विभाजित करने और प्रत्येक खंड के साथ विविध प्रकार की गतिविधियाँ करने से वे आपके छात्रों के लिए अधिक दिलचस्प बन जाती हैं। आपको चिंता हो सकती है कि आपके छात्र इसे करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि वे अपने आप नहीं पढ़ सकते हैं, या कि वे गद्यांशों के हर शब्द को नहीं समझेंगे। यह सच है कि हो सकता है कि वे पढ़े गए हर शब्द को न समझ सकें, लेकिन उन्हें आम तौर पर गद्यांश की एक सामान्य समझ मिलेगी – कहानी की सबसे महत्वपूर्ण घटनाएं और मुख्य बातें। समझने के लिए पढ़ने से उन्हें गद्यांश का आनंद लेने में मदद मिलेगी, जो एक बेहतर पाठक बनने में उनकी मदद करेगा (देखें इकाइयाँ समझने के लिए पठन में सहायता करना और समग्र कक्षा पठन दिनचर्याएं)। केस स्टडी 2 में आप पढ़ सकते हैं कि एक शिक्षक ने इस तकनीक का कैसे उपयोग किया और फिर इसे गतिविधि 2 में स्वयं आजमाएं।

केस स्टडी 2: श्री सिन्हा कक्षा 9 को *The Happy Prince* पढ़ाते हैं

श्री सिन्हा कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्हें सप्लीमेंट्री रीडर से कहानी The Happy Prince पढ़ानी थी। यहाँ वे वर्णन करते हैं कि कहानी के दूसरे खंड के साथ उन्होंने क्या किया (देखें संसाधन 3)।

मेरे छात्रों ने एक पिछली कक्षा में कहानी का पहला खंड किया। वह खंड कहानी में अबाबील के एक प्रश्न के साथ समाप्त हुआ: Why are you weeping then?

मैंने छात्रों को उस प्रश्न की याद दिलाई, और उनसे अनुमान लगाने के कहा कि राजकुमार क्यों रो रहा था। एक या दो छात्रों ने कुछ सुझाव दिए:

The Prince is weeping because he can't move.

The Prince is weeping because he is dead.

मैंने कक्षा से सुनने और पता लगाने को कहा कि Prince क्यों रो रहा था। फिर मैंने गद्यांश से कुछ पंक्तियाँ ऊँची आवाज में पढ़ीं [NCERT, 2006a]:

> 'Why are you weeping then?' asked the swallow. 'You have quite drenched me.'
>
> 'When I was alive and had a human heart,' answered the statue, 'I did not know what tears were, for I lived in the Palace, where sorrow is not allowed to enter. My courtiers called me the Happy Prince, and happy indeed I was. So I lived, and so I died. And now that I am dead they have set me up here so high that I can see the ugliness and all the misery of my city, and though my heart is made of lead yet I cannot choose but weep.'
>
> 'What! Is he not solid gold?' said the swallow to himself. He was too polite to make any personal remarks.

मैंने गद्यांश को दोबारा पढ़ा, और कक्षा से अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करने को कहा कि Prince क्यों रो रहा था। कुछ छात्रों ने यह समझा कि वह इसलिए रो रहा था क्योंकि वह शहर की 'बदसूरती और दुर्गति' देख सकता था। फिर मैंने कक्षा को तीन–तीन छात्रों के समूहों में संगठित किया। 53 छात्रों के साथ, 17 समूह और एक जोड़ी बनी। मैंने कमरे के एक ओर बैठे समूहों को दर्जिन की कहानी के बारे में The Happy Prince से खंड दिया ('Far away …' से 'Thinking always made him sleepy.' तक)

मैंने कमरे के दूसरी ओर बैठे समूहों को अटारी के लेखक की कहानी आबंटित की ('When day broke ...' से '... and he looked quite happy' तक।)

मैंने छात्रों से अपने खंड चुप रहकर पढ़ने, और फिर उनकी घरेलू बोली में एक लघु सारांश लिखने के लिए समूहों में काम करने को कहा। मैंने कक्षा को खंड को पढ़ने और सारांश लिखने के लिए 30 मिनट दिए। जब वे पढ़ और अपने सारांश लिख रहे थे तब मैंने कमरे में चहलकदमी की और जाँच की कि छात्रों को पता है कि उन्हें क्या करना है, और गद्यांशों के बारे में प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक छात्र ने मुझसे पूछा कि वाक्यांश 'withered violets' का क्या अर्थ है।

जब वे तैयार हो गए, तो मैंने कमरे के प्रत्येक ओर से एक समूह से अपने सारांश पढ़कर सुनाने को कहा, ताकि सारी कक्षा दोनों खंडों में प्रत्येक से एक सारांश सुन सके। मैंने उनसे बताने को कहा कि दोनों कहानियों के बीच में क्या अन्तर था––उदाहरण के लिए एक में दर्जिन की मदद अबाबील ने की और दूसरी में लेखक ने। एक कहानी में अबाबील ने मानिक ले लिया था जबकि दूसरे में नीलम ले लिया था।
कक्षा का अंत होने तक, छात्रों को पता चल गया था कि कहानी के लंबे खंड में क्या हुआ था, हालांकि उन्होंने उसे पूरा पढ़ा तक नहीं था। वास्तव में, हर शब्द को मिलकर पढ़ना उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं था – और जो छात्र पढ़ना चाहते हैं वे दोनों खंडों को घर पर पढ़ सकते हैं।

गतिविधि 2: कई कक्षाओं में किसी अधिक लंबे पाठ को पढ़ाने की योजना बनाना

पाठ्यपुस्तक या सप्लीमेन्ट्री रीडर से कोई अधिक लंबा गद्यांश निकालें जिसे आप जल्दी ही पढ़ाएंगे। गद्यांश को पढ़ें और उसे खंडों की उपयुक्त संख्या में विभाजित करें (जैसे चार)। याद रखें कि हर खंड एक पाठ के लिए है।

एक अलग गतिविधि की योजना बनाएं जिसे आपके छात्र प्रत्येक खंड के साथ कर सकें जो उन्हें चारों कौशलों पढना लिखना सुनना बोलना, का उपयोग करने का अवसर दें। पढ़ना, नीचे दी गई सूची में कुछ अवधारणाएं हैं। काम करने के विविध तरीकों का उपयोग करने का प्रयास करें – उदाहरण के लिए, कुछ गतिविधियाँ सारी कक्षा के साथ की जा सकती हैं, जबकि अन्य समूहों या जोड़ियों में। आपको हमेशा स्पष्ट होना चाहिए कि आप किसी विशेष तरीके का उपयोग क्यों कर रहे हैं।

- **सुनना:** छात्रों के अपनी किताबों को बंद रखते हुए सुनते समय खंड को सस्वर पढ़ें। उनसे जानकारी या प्रश्नों के उत्तरों को लिए सुनने को कहा जाना चाहिए।
- **सुनना:** छात्र खंडों को पढ़ते या सुनते हैं और उस के विषय में या खण्ड में जो हुआ हो उसे व्यक्त करने वाला चित्र या कार्टून बनाते हैं।
- **पढ़ना:** छात्रों से एक खंड को मौन रहकर पढ़ने को कहें (शायद एक समय सीमा के अन्दर)। फिर उनसे जानकारी या प्रश्नों के उत्तर देखने को कहा जाना चाहिए।
- **पढ़ना/सुनना और लिखना:** छात्र खंड को पढ़ते या सुनते हैं और नोट्स लेते हैं। फिर उन्हें सारांश लिखने या पाठ की पुनर्संरचना करने के लिए अपने नोट्स का उपयोग करना चाहिए।
- **पढ़ना/सुनना, लिखना और बोलना:** छात्र खंडों को पढ़ते या सुनते हैं और अंग्रेजी में सारांश लिखते हैं। फिर उन्हें ये सारांश कक्षा के सामने प्रस्तुत करने चाहिए।
- **पढ़ना/सुनना और लिखना/बोलना:** छात्र खंडों को पढ़ते या सुनते हैं और बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए जोड़ियों या समूहों में

काम करते हैं।

तालिका 1 जैसे फार्म का उपयोग करते हुए अपनी अवधारणाएं रिकार्ड करें। संसाधन 4 में आपको एक पूरी की हुई तालिका मिल सकती है।

तालिका 1 *अधिक लंबे पाठ को पढ़ाने के लिए योजना बनाना।*

कक्षा	
गद्यांश	

खंड	**गतिविधि**

योजना बनाने पर अधिक जानकारी के लिए संसाधन 5, 'पाठों को नियोजित करना' देखें।

वीडियो: पाठों का नियोजन करना

विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या गद्यांशों को खंडों में विभाजित करने से आपके छात्रों की समझने और दिलचस्पी बनाए रखने में मदद मिली?
- क्या पीरियडों की संख्या पर्याप्त थी? यदि नहीं, तो क्या आप छात्रों से कक्षा में आने से पहले घर पर अपने खंड को पढ़ने के लिए कह सके?
- क्या आपको अपनी योजनाओं को किसी तरह से संशोधित करने की जरूरत पड़ी? ऐसा क्यों हुआ?

इस तरह की योजना को आजमाने के बाद, नोट करें कि इसमें क्या कारगर रहा है और पाठ्यपुस्तक या सप्लीमेन्ट्री रीडर से किसी अन्य गद्यांश के साथ एक और योजना बनाएं। देखें कि आपके छात्रों की सीखने की क्रिया को सुधारने में क्या कारगर है।

3 पाठ्यक्रम से हटकर अंग्रेज़ी पढ़ने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना

विचार के लिए रुकें

अपने छात्रों के बारे में इन प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करें। यदि आप निश्चित नहीं हैं, तो अपने छात्रों से पूछें।

- आपके छात्र अंग्रेजी में और अन्य भाषाओं में क्या पढ़ते हैं?
- क्या वे पढ़ने में आनंद लेते हैं?

कई छात्र पाठ्यपुस्तक और सप्लीमेन्ट्री रीडर से हटकर अंग्रेजी में ज्यादा नहीं पढ़ते हैं। वे अन्य भाषाओं में अधिक पढ़ सकते हैं, और वे किताबों, पत्रिकाओं या अखबारों में सभी तरह के विभिन्न पाठ पढ़ने का आनंद ले सकते हैं, जैसे फिल्मों और खेलकूद के बारे में लेख; जानकारी पूर्ण और तथ्यात्मक पाठ; कॉमिक्स और पत्रिकाएं; चुटकुले और कार्टून। कुछ छात्रों को इंटरनेट सुलभ रह सकता है – या शायद भविष्य में होगा – और अंग्रेजी में सभी तरह के पाठ ऑनलाइन पढ़ सकते हैं।

यदि संभव हो, तो आप इस प्रकार के पाठों को अंग्रेजी कक्षा में ला सकते हैं। आप अपने छात्रों को अपने पसंदीदा पाठों को कक्षा में लाने के लिए आमंत्रित भी कर कते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपके छात्रों को कार्टून अच्छे लगते हैं, तो उन्हें किसी अंग्रेजी अखबार में कार्टून मिल सकते हैं। जब छात्र वह चुन सकते हैं जो उन्हें स्वयं के लिए पढ़ना है, उनके इस अनुभव का आनंद लेने की अधिक संभावना है *(देखें इकाई पाठ्यपुस्तक से परे संसाधनों का उपयोग करना)*।

यदि आपके पास हो तो स्कूल के पुस्तकालय अच्छे संसाधन बन सकते हैं। National Focus Group on Teaching of English द्वारा लिखा गया पोजीशन पेपर (NCERT, 2006, खंड 1.2.2) कहता है कि कक्षा के पुस्तकालयों वाले स्कूलों के छात्र 'उन स्कूलों के छात्रों से बेहतर पढ़ते हैं जहाँ पठन

नीरस पाठों और बार-बार लिए जाने वाली स्पेलिंग सूचियों की सामान्य परीक्षाओं तक सीमित होता है'। यदि आपके पास पुस्तकालय नहीं है, तो शायद आप स्वयं पुस्तकालय बना सकते हैं। हो सके, तो कुछ सस्ती किताबें खरीदें और कक्षा का पुस्तकालय स्थापित करें। फिर से, यदि संभव हो तो पड़ोसी स्कूलों के शिक्षकों के साथ किताबों का आदान-प्रदान करें, और जहाँ संभव हो माता-पिता को योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि आपके कस्बे या गाँव में अंग्रेजी किताबें उपलब्ध नहीं हैं, तो यात्रा करने वाले मित्र या सहकर्मी शायद आपके लिए कुछ किताबें खरीद कर ला सकते हैं।

यदि आप या आपके छात्रों को इंटरनेट उपलब्ध है, तो आपको कई अंग्रेजी पाठ पढ़ने को मिल सकते हैं। आपको पाठ्यपुस्तकों और सप्लीमेन्ट्री रीडरों में दी गई कई कविताओं, कहानियों, नाटकों और लेखकों से संबंधित संसाधन भी मिल सकते हैं, उदाहरण के लिए कविताओं की विडियो रिकार्डिंग्स और वीडियो। आपको कुछ उपयोगी ऑनलाइन संसाधनों के लिए लिंक्स संसाधन 6 में मिल सकते हैं।

गतिविधि 3: अंग्रेजी में छात्रों के पठन को विस्तारित करना

यहाँ कुछ गतिविधियाँ प्रस्तुत हैं जो छात्रों को कक्षा से परे अंग्रेजी में पढ़ने को प्रोत्साहित करती हैं। एक को चुनें और उसे अपने छात्रों के साथ आजमाएं। गतिविधि के बाद, विचार करें कि वह कैसे चली; क्या आपके सभी छात्रों ने भाग लिया? क्या आपको किसी बिंदु पर गतिविधि में हस्तक्षेप करना पड़ा? यदि हाँ, तो क्यों? इस गतिविधि में आपने उनकी सीखने की प्रक्रिया का आकलन कैसे किया?

- **एक रीडिंग लॉगबुक:** छात्र जो कुछ भी अंग्रेजी में पढ़ते हैं उसकी एक डायरी रखते हैं, जिनमें पाठ्यपुस्तक के अध्याय और सप्लीमेन्ट्री रीडर के गद्यांश शामिल हैं। उन्हें हर पाठ के लिए एक पृष्ठ पूरा करना चाहिए, जिसमें पाठ का नाम, लेखक, पाठ के बारे में उन्हें अच्छी या बुरी लगने वाली बातें, वह किरदार जो उन्हें सबसे अधिक अच्छा लगा (जहॉं उचित हो), इत्यादि की जानकारी होनी चाहिए। उन्हें पाठ के बारे में अपने विचार और अनुभूतियाँ लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। वे यह अंग्रेजी या अपने घर की भाषा में कर सकते हैं। लॉगबुक्स पर चर्चा और उन्हें साझा करने के लिए आप हर महीने के अंत में एक या दो कक्षाएं अलग से रख सकते हैं।
- **कक्षा की प्रतियोगिताएं:** पठन से संबंधित नियमित प्रतियोगिताएं शुरू करें। यह पाठ पर आधारित कोई चित्र बनाना, कोई कहानी सुनाना, कविता सुनाना या कहानी अथवा कविता लिखना हो सकता है। छात्रों के काम के उदाहरण प्रदर्शित करें।
- **नाटक:** कक्षा नाटिका का आयोजन करें। छात्रों से कोई नाटक चुनने या लिखने को कहें (जिसके साथ आप मदद कर सकें)। छात्र अभिनेताओं का चुनाव कर सकते हैं, संवाद लिख सकते हैं, रंगमंच की सामग्री बना सकते हैं, दृश्यों का निर्देशन कर सकते हैं इत्यादि। फिर वे छात्रों और शिक्षकों के लिए अपने नाटक खेल सकते हैं। माता-पिता को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए।
- **अतिथि को आमंत्रित करना:** यदि संभव हो तो स्थानीय क्षेत्र के किसी लेखक को लेखन और पढ़ने के लाभों के बारे में बोलने के लिए आमंत्रित करें। इससे फर्क नहीं पड़ता कि लेखक आपकी घर की भाषा में लिखता है। पठन के लाभ किसी भी भाषा में प्रासंगिक होते हैं।
- **A 'Reading in English' day:** किसी अन्य कक्षा, या किसी अन्य स्कूल के छात्रों के साथ एक 'Reading in English' दिवस का आयोजन करें। पाठ्यक्रम या अन्य से पाठों को पढ़ने से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ तैयार करें। इन गतिविधियों में पाठ या पाठ के अंशों को जोर से पढ़ना, पाठ के बारे में प्रश्नोत्तरियाँ, या गद्य पाठ को नाटक में, नाटक को कहानी में, कहानी को कविता में, कविता को पत्र में बदलना इत्यादि शामिल हो सकता है। पुरस्कार दिए जा सकते हैं।

समारोहों, दौरों, प्रतियोगिताओं और पुरस्कारों को आयोजित करने में समय संगठन करने के प्रयास की जरूरत पड़ सकती है। शायद आप उन्हें अन्य शिक्षकों. और पड़ोसी स्कूलों के साथियों के साथ आयोजित कर सकते हैं। याद रखें कि छात्र ऐसी गतिविधियों से प्रेरित महसूस करेंगे, और जो उन्हें अंग्रेजी कक्षाओं और अंग्रेजी सीखने के बारे में सकारात्मत ढंग से सोचने को प्रोत्साहित करेंगी।

4 सारांश

पाठ्यपुस्तकों और सप्लीमेन्ट्री रीडरों के कई गद्यांश अपरिचित लेखकों द्वारा कई वर्ष पहले लिखे गए होते हैं। इन पाठों में छात्रों को कहानियों और किरदारों के साथ संबंध स्थापित करना कठिन हो सकता है। ऐसे गद्यांश पढ़ने में छात्रों को अधिक दिलचस्पी लेने में मदद करने के लिए आप लेखकों और उनकी अवधारणाओं तथा छात्रों के जीवन और अनुभवों के बीच संबंध स्थापित कर सकते हैं। गद्यांश को खंडों में बाँटकर और प्रत्येक खंड के लिए अलग-अलग गतिविधियों की योजना बनाकर आप उस दिलचस्पी को बनाए रखने में उनकी मदद कर सकते हैं। ये गतिविधियाँ गद्यांश की एक सामान्य समझ पर संकेंद्रित होती हैं और छात्रों को अंग्रेजी भाषा के कई कौशल भी विकसित करने के अवसर देती हैं (जैसे सुनना और लिखना)।

आप पढ़ने में रुचि को आगे प्रोत्साहित करने के लिए कक्षा या स्कूल के लिए प्रतियोगिताओं, यात्राओं और समारोहों जैसी गतिविधियाँ आयोजित कर सकते हैं।

ये तकनीकें अंग्रेजी में पढ़ने का अधिक आनंद लेने में छात्रों की मदद करेंगी। जब छात्र अधिक पढ़ते हैं, तब उनकी अंग्रेजी सुधरती है, वे दुनिया और उसके लोगों के बारे में अधिक सीखते हैं, और किसी भी भाषा में पढ़ने का अधिक आनंद लेते हैं। कक्षा में साहित्य पढ़ने और उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के बारे में आप अधिक जानकारी इस इकाई के अतिरिक्त संसाधन खंड में पढ़ सकते हैं।

संसाधन

संसाधन 1: गद्यांशों का संबंध छात्रों के जीवन से जोड़ना

तालिका R1.1 *गद्यांशों का संबंध छात्रों के जीवन से जोड़ना।*

गद्यांश	छात्रों के प्रेरित न महसूस करने के संभावित कारण	इस गद्यांश का संबंध छात्रों के जीवन से जोड़ने के तरीके
The Happy Prince: आयरिश लेखक Oscar Wilde द्वारा लिखित और 1888 में प्रकाशित एक परी कथा।	लेखक Oscar Wilde अपरिचित हो सकता है ईसाई धर्म के मूल्यों को समझना गैर-ईसाई छात्रों के लिए कठिन हो सकता है परी कथा 'पुराने फैशन' की लग सकती है। संभव है छात्रों को पता न हो कि अबाबील, या उसकी स्थानांतरण करने की आदतें क्या हैं संभव है छात्र अन्य देशों के राजाओं और राजकुमारों के जीवन को न समझ पाएं	छात्रों को लेखक के बारे में जानकारी दें ईसाई धर्म के मूल्यों को अन्य धार्मिक मूल्यों से जोड़ें परी कथाओं की अवधारणा को भारतीय परी कथाओं से जोड़ें भारतीय पक्षियों के स्थानांतरण पर चर्चा करें अमीर लोगों के आराम पर चर्चा करें, और उसकी तुलना गरीबी के साथ करें किसी ऐसे व्यक्ति पर चर्चा करें जो गरीबों और जरूरतमंदों के लिए अपने जीवन का त्याग करने के लिए जाना जाता है चर्चा करें कि खुश रहने के लिए क्या चाहिए – अमीरी, दयालुता आदि।
The Accidental Tourist: समकालीन अमेरिकन लेखक, Bill Brysonकी किताब से एक उद्धरण	कहानी यह मानती है कि पाठक खूब यात्रा करते हैं, और हवाईजहाज में उड़ने से परिचित हैं हो सकता है छात्र 'फ्रीक्वेंट फ्लायर माइल्स' जैसी अवधारणाएं न समझ पाएं संभव है छात्र हास्य-व्यंग को आसानी से न समझें	उन यात्राओं पर चर्चा करें जो छात्रों ने (ट्रेन पर) की हैं हवाई यात्रा करने की विधियाँ समझाएं हवाई यात्रा से संबंधित शब्दावली सिखाएं चर्चा करें कि लोग यात्रा के समय अपने सहयात्रियों के साथ कैसे बर्ताव करते हैं

गद्यांश	छात्रों के प्रेरित न महसूस करने के संभावित कारण	इस गद्यांश का संबंध छात्रों के जीवन से जोड़ने के तरीके
The Proposal रूसी लेखक Anton Chekhov द्वारा 1888-9 में लिखा गया एक नाटक	लेखक Anton Chekov अपरिचित हो सकता है यह नाटक 19वीं शताब्दी के रूस की वैवाहिक परम्पराओं का उपहास करता है – छात्रों के इन परम्पराओं से परिचित होने की संभावना नहीं है हो सकता है कि छात्र विवाह करने से संबंधित तनावों के बारे में अधिक न समझें	भारत के महान नाटककारों की चर्चा करें और छात्रों को लेखक के बारे में बताएं रूस की वैवाहिक परम्पराओं की तुलना भारत से करें विगत और वर्तमान वैवाहिक रीतियों की तुलना करें दहेज और शादी में उपहार देने से संबंधित रिवाजों पर चर्चा करें।
The Hack Driver अमेरिकन लेखक Sinclair Lewis द्वारा 1923 में लिखित एक लघु कथा	इसके शीर्षक को समझने में कठिनाई होती है कानूनी शब्दावली और अवधारणाओं को समझना कठिन हो सकता है संभव है छात्र अमेरिकन कस्बों और 1920 के दशक में उनकी जीवन-शैली से परिचित न हों।	धोखेबाजों और चालबाजों के बारे में अन्य कहानियों, किताबों या फिल्मों के साथ संबंध स्थापित करें (जैसे *Jolly LLB*) कानूनी शब्दावली पढ़ाएं शीर्षक को स्पष्ट करने के लिए (पाठ्यपुस्तक से) चित्रों का उपयोग करें चर्चा करें कि आज के अमेरिकन कस्बों में जीवन-शैली के बारे में छात्र क्या जानते हैं और उसकी तुलना कहानी से करें

संसाधन 2: रोल प्ले और नाटक का उपयोग करना

विद्यार्थी उस समय सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जब वे सीखने की प्रक्रिया से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। दूसरों के साथ परस्पर संवाद और अपने विचारों को साझा करने से आपके विद्यार्थी अपनी समझ की गहराई बढ़ा सकते हैं। रोल प्ले और नाटक दो पद्धतियाँ हैं जिनका उपयोग गणित और विज्ञान सहित, पाठ्यक्रम के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है।

रोल प्ले

रोल प्ले में छात्र कोई भूमिका निभाते हैं और किसी छोटे परिदृश्य के दौरान, वे उस भूमिका में बोलते और अभिनय करते हैं, तथा वे जिस पात्र की भूमिका निभा रहे हैं, उसके व्यवहार और उद्देश्यों को अपना लेते हैं। इसके लिए कोई स्क्रिप्ट नहीं दी जाती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि छात्रों को शिक्षक द्वारा पर्याप्त जानकारी दी जाए, ताकि वे उस भूमिका को समझ सकें। भूमिका निभाने वाले छात्रों को अपने विचारों और भावनाओं की त्वरित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भूमिका निभाने के कई लाभ हैं क्योंकि:

- इसमें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचार करके अन्य लोगों की भावनाओं के प्रति समझ विकसित की जाती है।
- इससे निर्णय लेने का कौशल विकसित होता है।
- यह छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है और सभी छात्रों को योगदान करने का अवसर मिलता है।
- यह विचारों के उच्चतर स्तर को प्रोत्साहित करती है।

भूमिका निभाने से छोटे विद्यार्थियों को अलग अलग सामाजिक स्थितियों में बात करने का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, उदाहरण के लिए, किसी स्टोर में खरीददारी करने, किसी स्थानीय स्मारक पर पर्यटकों को रास्ता दिखाने या एक टिकट खरीदने का अभिनय करना। आप कुछ वस्तुओं और चिह्नों के द्वारा सरल दृश्य तैयार कर सकते हैं, जैसे 'कैफ', 'डॉक्टर की सर्जरी' या 'गैरेज'। अपने छात्रों से पूछें, 'यहाँ कौन काम करता है?', 'वे क्या कहते हैं?' और 'हम उनसे क्या पूछते हैं?' और उन्हें इन क्षेत्रों की भूमिकाओं में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें, तथा उनकी भाषा के उपयोग का अवलोकन करें।

नाटक करने से बड़े बच्चों में जीवन के कौशलों का भी विकास हो सकता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में हो सकता है कि आप इस बात का पता लगा रहे हों कि टकराव को किस प्रकार से खत्म किया जाए। इसके बजाय अपने विद्यालय या समुदाय से कोई वास्तविक घटना लें, आप इसी तरह के, लेकिन इससे भिन्न, किसी परिदृश्य का वर्णन कर सकते हैं, जिसमें यही समस्या उजागर होती हो। छात्रों को भूमिकाएँ आवंटित करें या उन्हें अपनी भूमिकाएँ खुद चुनने को कहें। आप उन्हें योजना बनाने का समय दे सकते हैं या उनसे तुरंत भूमिका अदा करने को कह सकते हैं। रोल प्ले पूरी कक्षा के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। या फिर छात्र छोटे समूहो में भी यह काम कर सकते है जिससे कि किसी भी एक समूह पर ध्यान केन्द्रित न रहे। ध्यान दें कि इस गतिविधि का उद्देश्य भूमिका निभाने का अनुभव लेना और इसका अर्थ समझाना है; आप उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन या बॉलीवुड के अभिनय पुरस्कारों के लिए अभिनेता नहीं ढूँढ रहे हैं।

रोल प्ले करने का उपयोग विज्ञान और गणित में भी करना संभव है। छात्र अणुओं के व्यवहार की नकल कर सकते हैं, और एक-दूसरे से संपर्क के दौरान कणों की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं या उनके व्यवहार को बदलकर ऊष्मा या प्रकाश के प्रभाव को दर्शा सकते हैं। गणित में, छात्र कोणों या आकृतियों की भूमिका निभाकर उनके गुणों और संयोजनों को खोज सकते हैं।

नाटक

कक्षा में नाटक का उपयोग अधिकतर विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए एक अच्छी रणनीति है। नाटक कौशलों और आत्मविश्वास का निर्माण करता है, और उसका उपयोग विषय के बारे में आपके छात्रों की समझ का आकलन करने के लिए भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यह दिखाने के लिए कि संदेश किस प्रकार से मस्तिष्क से कानों, आंखों, नाक, हाथों और मुंह तक जाते हैं और वहां से फिर वापस आते हैं, टेलीफोनों का उपयोग करके मस्तिष्क किस प्रकार काम करता है इसके बारे में अपनी समझ पर एक नाटक किया गया। या संख्याओं को घटाने के तरीके को भूल जाने के भयानक परिणामों पर एक लघु, मज़ेदार नाटक युवा छात्रों के मन में सही पद्धतियों को स्थापित कर सकता है।

नाटक प्रायः शेष कक्षा, स्कूल के लिए या अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के लिए प्रस्तुीकरण की ओर विकसित होता है। यह उद्देश्य विद्यार्थियों को एक लक्ष्य प्रदान करेगा, जिससे वे प्रेरित होंगे और उसकी प्राप्ति के लिए काम करेगें। नाटक तैयार करने की रचनात्मक प्रक्रिया से समूची कक्षा को जोड़ा जाना चाहिए। यह जरूरी है कि आत्मविश्वास के स्तरों के अन्तर को ध्यान में रखा जाये। हर एक व्यक्ति का अभिनेता होना जरूरी नहीं है; छात्र अन्य तरीकों से योगदान कर सकते हैं (संयोजन करना, वेशभूषा, प्रॉप्स, मंच पर मददगार) जो उनकी प्रतिभाओं और व्यक्तित्व से अधिक नजदीकी से संबद्ध हो सकते हैं।

यह विचार करना आवश्यक है कि अपने छात्रों के सीखने में मदद करने के लिए आप नाटक का उपयोग क्यों कर रहे हैं। क्या यह भाषा विकसित करने (उदा. प्रश्न पूछना और उत्तर देना), विषय के ज्ञान (उदा. खनन का पर्यावरणात्मक प्रभाव), या विशिष्ट कौशलों (उदा. टीम वर्क) का निर्माण करने के लिए है? सावधानी बरतें कि नाटक का सीखने का प्रयोजन अभिनय के लक्ष्य में खो न जाय।

संसाधन 3: एक कहानी से लिया गया उद्धरण

This is an extract from The Happy Prince by Oscar Wilde.

'Why are you weeping then?' asked the swallow. 'You have quite drenched me.'

'When I was alive and had a human heart,' answered the statue, 'I did not know what tears were, for I lived in the Palace, where sorrow is not allowed to enter. My courtiers called me the Happy Prince, and happy indeed I was. So I lived, and so I died. And now that I am dead they have set me up here so high that I can see the ugliness and all the misery of my city, and though my heart is made of lead yet I cannot choose but weep.'

'What! Is he not solid gold?' said the swallow to himself. He was too polite to make any personal remarks.

'Far away,' continued the statue in a low musical voice, 'far away in a little street there is a poor house. One of the windows is open, and through it I can see a woman seated at a table. Her face is thin and worn, and she has coarse, red hands, all pricked by the needle, for she is a seamstress. She is embroidering flowers on a satin gown for the loveliest of the Queen's maids of honour, to wear at the next Court ball. In a bed in the corner of the room her little boy is lying ill. He has a fever, and is asking his mother to give him oranges. His mother has nothing to give him but river water, so he is crying. Swallow, Swallow, little Swallow, will you not bring her the ruby out of my sword hilt? My feet are fastened to this pedestal and I cannot move.'

‘I am waited for in Egypt,’ said the swallow. ‘My friends are flying up and down the Nile, and talking to the large lotus flowers. Soon they will go to sleep.’

The Prince asked the swallow to stay with him for one night and be his messenger. ‘The boy is so thirsty, and the mother so sad,’ he said.

‘I don’t think I like boys,’ answered the swallow. ‘I want to go to Egypt.’

But the Happy Prince looked so sad that the little swallow was sorry. ‘It is very cold here,’ he said. But he agreed to stay with him for one night and be his messenger.

‘Thank you, little Swallow,’ said the Prince.

The swallow picked out the great ruby from the Prince’s sword, and flew away with it in his beak over the roofs of the town. He passed by the cathedral tower, where the white marble angels were sculptured. He passed by the palace and heard the sound of dancing. A beautiful girl came out on the balcony with her lover.

‘I hope my dress will be ready in time for the State ball,’ she said. ‘I have ordered flowers to be embroidered on it, but the seamstresses are so lazy.’

He passed over the river, and saw the lanterns hanging on the masts of the ships. At last he came to the poor woman’s house and looked in. The boy was tossing feverishly on his bed, and the mother had fallen asleep, she was so tired. In he hopped, and laid the great ruby on the table beside the woman’s thimble. Then he flew gently round the bed, fanning the boy’s forehead with his wings. ‘How cool I feel!’ said the boy, ‘I must be getting better;’ and he sank into a delicious slumber.

Then the swallow flew back to the Happy Prince, and told him what he had done. ‘It is curious,’ he remarked, ‘but I feel quite warm now, although it is so cold.’

‘That is because you have done a good action,’ said the Prince.

And the little swallow began to think, and then fell asleep. Thinking always made him sleepy.

When day broke he flew down to the river and had a bath.

‘Tonight I go to Egypt,’ said the swallow, and he was in high spirits at the prospect. He visited all the monuments and sat a long time on top of the church steeple. When the moon rose he flew back to the Happy Prince.

‘Have you any commissions for Egypt?’ he cried. ‘I am just starting.’

‘Swallow, Swallow, little Swallow,’ said the Prince, ‘will you stay with me one night longer?’

‘I am waited for in Egypt,’ answered the swallow.

‘Swallow, Swallow, little Swallow,’ said the Prince, ‘far away across the city I see a young man in a garret. He is leaning over a desk covered with papers, and in the glass by his side there is a bunch of withered violets. His hair is brown and crisp, and his lips are red as a pomegranate, and he has large and dreamy eyes.

He is trying to finish a play for the Director of the Theatre, but he is too cold to write any more. There is no fire in the grate, and hunger has made him faint.’

‘I will wait with you one night longer,’ said the swallow, who really had a good heart. He asked if he should take another ruby to the young playwright.

‘Alas! I have no ruby now,’ said the Prince. ‘My eyes are all that I have left. They are made of rare sapphires, which were brought out of India a thousand years ago.’ He ordered the swallow to pluck out one of them and take it to the playwright. ‘He will sell it to the jeweller, and buy firewood, and

'Dear Prince,' said the swallow, 'I cannot do that,' and he began to weep.

'Swallow, Swallow, little Swallow,' said the Prince, 'do as I command you.'

So the swallow plucked out the Prince's eye, and flew away to the young man's garret. It was easy enough to get in, as there was a hole in the roof. Through this he darted, and came into the room. The young man had his head buried in his hands, so he did not hear the flutter of the bird's wings, and when he looked up he found the beautiful sapphire lying on the withered violets.

'I am beginning to be appreciated,' he cried. 'This is from some great admirer. Now I can finish my play,' and he looked quite happy.

संसाधन 4: भरा हुआ नियोजन फार्म

तालिका R4.1*भरा हुआ नियोजन फार्म।*

कक्षा	कक्षा 9
गद्यांश	*The Happy Prince* (NCERT *Moments: Supplementary Reader in English for Class IX).*

खंड	**गतिविधि**
खंड 1, 'High above the city …' से 'I am the Happy Prince.' तक। सुनना	शिक्षक इस खंड को सारी कक्षा को सस्वर पढ़कर सुनाता है। छात्र अपनी किताबें बंद रखते हैं और सुनते हैं। सुनने के साथ, वे खंड में जो कुछ सुनते हैं उसका चित्र बनाते हैं। चित्र में एक ऊँचे स्तंभ पर राजकुमार की मूर्ति, राजकुमार के पाँव पर बैठी एक आबाबील और राजकुमार की आखों से निकलकर अबाबील के सिर पर गिरते आँसू होंगे।
खंड 2, 'Why are you weeping then?' से '… and he looked quite happy.' तक। सुनना, पढ़ना, लिखना और बोलना	शिक्षक छात्रों से अनुमान लगाने को कहता है कि राजकुमार क्यों रो रहा है। शिक्षक 'When I was alive…' से 'He was too polite to make any personal remarks.' तक पढ़ता है। शिक्षक कक्षा को तीन छात्रों के समूहों में संगठित करता है और प्रत्येक समूह को दो उप-खंडों में से एक आबंटित करता है: • समूहों में से आधे के पास दर्जिन की कहानी सुनाने वाला खंड होता है ('Far away …' से 'Thinking always made him sleepy' तक)। • आधे समूहों के पास लेखक की कहानी सुनने वाला खंड होता है ('When day broke …' से '… and he looked quite happy' तक)। समूह अपने खंड पढ़ते हैं और मिलकर एक सारांश लिखते हैं, और फिर अपने सारांशों को समूची कक्षा के साथ साझा करते हैं।

खंड	गतिविधि
खंड 3, 'The next day the swallow flew down to the harbour …' से '… and he slept at the Prince's feet.' तक। सुनना	शिक्षक छात्रों को बतलाता है कि राजकुमार और अबाबील एक तीसरे व्यक्ति की मदद करते हैं। जोड़ियों में रहते हुए, छात्र अनुमान लगाते हैं कि वे किसकी मदद करते हैं और क्यों। वे अपने अनुमानों के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखते हैं, और कुछ समूह अपने विचारों को सारी कक्षा के साथ साझा करते हैं। फिर शिक्षक उस खंड को सारी कक्षा को सस्वर पढ़कर सुनाता है (छात्र किताबें बंद रखते हैं) और उनसे सुनकर पता करने को कहता है कि वह तीसरा व्यक्ति कौन है। शिक्षक जाँच करता है कि छात्र समझते हैं कि अबाबील ने राजकुमार के साथ रहने का निश्चय किया है।
खंड 4, 'All the next day …' से कहानी के अंत तक। पढ़ना	छात्र खंड का मौन वाचन करते और फिर गद्यांश के बारे में बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर जोड़ियों में देते हैं। शिक्षक बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर सारी कक्षा को बोलकर लिखवाता है।

संसाधन 5: पाठों का नियोजन करना

अपने पाठों का नियोजन और उनकी तैयारी क्यों महत्वपूर्ण है

अच्छे अध्यायों की योजना बनानी होती है। नियोजन आपके अध्यायों को स्पष्ट और सुसामयिक बनाने में मदद करता है, जिसका अर्थ यह है कि आपके छात्र सक्रिय और रुचिपूर्ण बने रह सकते हैं। प्रभावी नियोजन में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी शामिल होता है ताकि अध्यापक पढ़ाते समय अपने छात्रों की शिक्षण-प्रक्रिया के बारे में कुछ पता चलने पर उसके प्रति अनुक्रिया कर सकें। अध्यायों की श्रंखला के लिए योजना पर काम करने में छात्रों और उनके पूर्व-शिक्षण को जानना, पाठ्यक्रम में से आगे बढ़ने के क्या अर्थ है, और छात्रों के पढ़ने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों की खोज करना शामिल होता है।

नियोजन एक सतत प्रक्रिया है जो आपको अलग-अलग अध्यायों और साथ ही, एक के ऊपर एक विकसित होते अध्यायों की श्रंखला, दोनों की तैयारी करने में मदद करती है। अध्याय के नियोजन के चरण ये हैं:

- अपने छात्रों की प्रगति के लिए आवश्यक बातों के बारे में स्पष्ट रहना
- तय करना कि आप कौन से ऐसे तरीके से पढ़ाने जा रहे हैं जिसे छात्र समझेंगे और आपको जो पता लगेगा उसके प्रति अनुक्रिया करने के लचीलेपन को कैसे बनाए रखेंगे
- पीछे मुड़कर देखना कि अध्याय कितनी अच्छी तरह से चला और आपके छात्रों ने क्या सीखा ताकि भविष्य के लिए योजना बना सकें।

अध्यायों की श्रंखला का नियोजन करना

जब आप किसी पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हैं, तो नियोजन का पहला भाग यह निश्चित करना होता है कि पाठ्यक्रम के विषयों और प्रसंगों को खंडों या टुकड़ों में किस सर्वोत्तम ढंग से विभाजित किया जाय। आपको छात्रों के प्रगति करने तथा कौशलों और ज्ञान का क्रमिक रूप से विकास करने के लिए उपलब्ध समय और तरीकों पर विचार करना होगा। आपके अनुभव या सहकर्मियों के साथ चर्चा से आपको पता चल सकता है कि किसी विषय के लिए चार अध्याय लगेंगे, लेकिन किसी अन्य विषय के लिए केवल दो। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उस सीख पर अलग तरीकों से और अलग अलग समय पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य विषय पढ़ाए जाएंगे या विषय को विस्तारित किया जाएगा।

सभी पाठों की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- विद्यार्थियों को आप क्या पढ़ाना चाहते हैं
- आप उस शिक्षण का परिचय कैसे देंगे
- विद्यार्थियों को क्या और क्यों करना होगा।

आप शिक्षण को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि विद्यार्थी सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की श्रंखला में विद्यार्थियों से क्या करने को कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएं कि जब आपके विद्यार्थी पाठों की श्रंखला में से प्रगति करेंगे तब आप उनकी समझ की जाँच कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों की तैयारी करना

पाठों की शृंखला को नियोजित कर लेने के बाद, प्रत्येक पाठ को उस प्रगति के आधार पर अलग से नियोजित करना होगा जो विद्यार्थियों ने उस बिंदु तक की है। आप जानते हैं या पाठों की श्रंखला के अंत में यह आप जान सकेंगे कि विद्यार्थियों ने क्या सीख लिया होगा, लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित चीज को फिर से दोहराने या अधिक शीघ्रता से आगे बढ़ने की जरूरत हो सकती है। इसलिए हर पाठ को अलग से नियोजित करना चाहिए ताकि आपके सभी विद्यार्थी प्रगति करें और सफल तथा सम्मिलित महसूस करें।

पाठ की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के नियोजन के हिस्से के रूप में आपको अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नए विषय पढ़ाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य अध्यापकों के साथ विचारों पर बातचीत करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

पाठ के शुरू में, विद्यार्थियों को समझाएं कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि हर एक को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। विद्यार्थी पहले से ही जो जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी रुचि पैदा करें।

2 पाठ का मुख्य भाग

विद्यार्थी जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएं। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के उपयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। उपयोग करने के लिए संसाधनों और उस तरीके की पहचान करें जिससे आप अपनी कक्षा में उपलब्ध स्थान का उपयोग करेंगे। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समयों का उपयोग पाठ के नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप विभिन्न पद्धतियों और गतिविधियों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचेंगे, क्योंकि वे भिन्न तरीकों से सीखेंगे।

3 सीखने की जाँच के साथ पाठ की समाप्ति

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (पाठ के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति की गई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होता है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे नियोजित प्रश्न या विद्यार्थियों को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए और विद्यार्थियों के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

पाठ को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और विद्यार्थियों को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस शिक्षण से हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। विद्यार्थियों की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको पता रहे कि अगले पाठ के लिए क्या योजना बनानी है।

पाठों की समीक्षा करना

हर पाठ का पुनरावलोकन करें और यह बात दर्ज करें कि आपने क्या किया, आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया गया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले पाठों के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न का निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- खुले और बंद प्रश्नों की एक श्रंखला तैयार करना
- जिन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ फॉलो अप सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप विद्यार्थियों के सीखने में मदद के लिए क्या योजना बना सकते थे या अधिक बेहतर कर सकते थे।

जब आप हर पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ंगे आपकी पाठ संबंधी योजनाएं अपरिहार्य रूप से बदल जाएंगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छे नियोजन का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप शिक्षण को किस तरह से करना चाहते हैं और इसलिए जब आपको अपने विद्यार्थियों के वास्तविक अधिगम के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से उसके प्रति अनुक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

संसाधन 6: ऑनलाइन साहित्यिक संसाधन

यहाँ ऑनलाइन साहित्यिक संसाधनों के लिए कुछ लिंक्स प्रस्तुत हैं:

- Project Gutenberg: http://www.gutenberg.org/
- PoemHunter.com: http://www.poemhunter.com/
- The Poetry Archive: http://www.poetryarchive.org/poetryarchive/home.do

किशोर अंग्रेजी के विद्यार्थियों के लिए लिखे गए कुछ पाठ यहाँ उपलब्ध हैं:

- Read UK: http://learnenglishteens.britishcouncil.org/uk-now/read-uk

अतिरिक्त संसाधन

यहाँ अध्यापन साहित्य और विस्तृत पठन के बारे में अंग्रेजी के शिक्षकों के लिए लेखों और युक्तियों के लिए कुछ लिंक्स प्रस्तुत हैं:

- 'Teaching materials: using literature in the EFL/ ESL classroom' by Lindsay Clandfield: http://www.onestopenglish.com/support/methodology/teaching-materials/teaching-materials-using-literature-in-the-efl/-esl-classroom/146508.article
- 'BritLit': http://www.teachingenglish.org.uk/britlit
- 'Extensive reading': http://www.teachingenglish.org.uk/article/extensive-reading

- 'Success in reading': http://orelt.col.org/module/3-success-reading

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training *(undated) First Flight: Textbook in English for Class X*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Moments: Supplementary Reader in English for Class IX*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Position Paper: National Focus Group on Teaching of English*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/new_ncert/ncert/rightside/links/pdf/focus_group/english.pdf (accessed 25
September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2007) *Footprints without Feet: Supplementary Reader in English for Class X*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 25 September 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

संसाधन 3: पहली उड़ान से लिया गया उद्धरण: (Resource 3: extract from First Flight:) कक्षा 10 के लिए अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, http://ncert.nic.in / *(Textbook in English for Class X (2006),* National Council of Educational Research and Training, http://ncert.nic.in.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।